vinetur

जनवरी से अगस्त तक कज़ाखस्तान में वाइन की बिक्री 12% घटी

घरेलू उत्पादन 17.2% गिरने के बाद उपलब्ध वाइन आपूर्ति में आयातित बोतलों की हिस्सेदारी 39% हुई ; आयात में 2.2% की गिरावट आई

मंगलवार, 10 नवंबर 2026



जनवरी से अगस्त के दौरान कज़ाखस्तान में वाइन की बिक्री सालाना आधार पर 12% घटी। घरेलू उत्पादन में विदेशी आपूर्ति की तुलना में कहीं अधिक तेज गिरावट के कारण देश में उपलब्ध वाइन की आपूर्ति में आयातित बोतलों की हिस्सेदारी बढ़ गई।

कज़ाखस्तान के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, जिनका मंगलवार को The Astana Times ने हवाला दिया और जो 4 नवंबर को प्रकाशित Energyprom के विश्लेषण में भी शामिल थे, वाइन बाजार में व्यापक संकुचन आया। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में घरेलू वाइन उत्पादन 17.2% गिरा। वाइन का आयात भी कम हुआ, लेकिन इसकी गिरावट 2.2% तक सीमित रही। इससे बाजार में विदेशी उत्पादों की सापेक्ष हिस्सेदारी बढ़ गई।

Energyprom के हवाले से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, बाजार में उपलब्ध वाइन की आपूर्ति में आयात की हिस्सेदारी एक साल पहले के 35.2% से बढ़कर 39% हो गई, यानी 3.8 प्रतिशत अंक की वृद्धि। यह घटते बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में बदलाव दर्शाता है : आयातित वाइन की मात्रा घटी, लेकिन स्थानीय उत्पादकों की मात्रा में इससे बड़ी गिरावट आई।

प्रकाशित आंकड़ों में बेची गई, उत्पादित या आयातित वाइन की कुल मात्रा नहीं दी गई, जिससे बिक्री में गिरावट को लीटर में बताया जा सके। इसलिए उपलब्ध रिपोर्टों के आधार पर इस गिरावट का आकलन केवल प्रतिशत के रूप में किया जा सकता है।

उपभोक्ता कीमतों में भी वृद्धि हुई। रिपोर्टों में उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में कज़ाखस्तान में वाइन की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 12.8% अधिक थीं। सितंबर में समूची अल्कोहल श्रेणी की कीमतों में सालाना आधार पर 14.8% की वृद्धि हुई। ये आंकड़े वाइन की बिक्री में गिरावट के साथ कीमतों में बढ़ोतरी भी दिखाते हैं, लेकिन अपने आप में यह साबित नहीं करते कि ऊंची कीमतों के कारण बिक्री घटी। बिक्री के आंकड़े जनवरी से अगस्त तक के हैं, जबकि कीमतों के आंकड़े सितंबर के हैं। रिपोर्टों में वाइन की बिक्री की महीने-दर-महीने तुलनीय जानकारी नहीं दी गई।

वाइन के आंकड़े कज़ाखस्तान के अल्कोहल बाजार में व्यापक सुस्ती का हिस्सा थे। The Astana Times की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से अगस्त के दौरान बीयर की बिक्री 5% और कॉन्यैक की बिक्री 41.9% घटी, जबकि वोडका की बिक्री 4.5% बढ़ी। इस मिश्रित रुझान से संकेत मिलता है कि उपभोक्ताओं ने सभी श्रेणियों में खपत समान रूप से घटाने के बजाय अल्कोहल बाजार के भीतर अपना खर्च दूसरी श्रेणियों की ओर मोड़ा हो सकता है।

अन्य श्रेणियों में उत्पादन और आयात के रुझानों ने भी दबाव दिखाया। Energyprom के अनुसार, कॉन्यैक का उत्पादन 41.9% घटकर 5.2 मिलियन लीटर रह गया, जबकि कॉन्यैक का आयात 41.5% कम हुआ। इससे घरेलू उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी 78.5% हो गई। बीयर का उत्पादन 6% गिरकर 445 मिलियन लीटर रहा, जो घरेलू बीयर बिक्री के 482.3 मिलियन लीटर से कम था। इसके चलते बाजार में उपलब्ध बीयर आपूर्ति में आयात की हिस्सेदारी पिछले साल के 10% से बढ़कर 10.4% हो गई, जबकि बीयर का निर्यात 22.6% घटा।

इन्हीं रिपोर्टों में उद्धृत घरेलू खर्च के आंकड़े भी मांग में कमजोरी दर्शाते हैं। The Astana Times के अनुसार, वर्ष की पहली छमाही में अल्कोहल पेय पदार्थों पर खर्च 4% घटा और गिरावट का रुझान जारी रहा।

वाइन के मामले में मुख्य बदलाव आयात की मात्रा में वृद्धि नहीं, बल्कि सिकुड़ते बाजार में आयात की हिस्सेदारी बढ़ना था। घरेलू उत्पादन में आयात की तुलना में कहीं तेज गिरावट आई, इसलिए एक साल पहले के मुकाबले आयात कम होने के बावजूद उपलब्ध आपूर्ति में विदेशी उत्पादों का हिस्सा बढ़ गया।

The Astana Times ने जिन आंकड़ों का हवाला दिया, वे आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित द्वितीयक रिपोर्टिंग से आए थे। Energyprom का विश्लेषण भी राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों की द्वितीयक व्याख्या था। कई परिचालन आंकड़ों की तरह, मूल संख्याओं में बाद में संशोधन हो सकता है। आयात हिस्सेदारी का माप भी बाजार में उपलब्ध आपूर्ति से संबंधित है, न कि खुदरा बिक्री की पुष्टि से। उपभोक्ताओं ने दुकानों से वास्तव में बाजार का कितना हिस्सा खरीदा, इसका आकलन करते समय यह अंतर महत्वपूर्ण है।